http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 151

प्रयागराज रविवार 16 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

प्रदर्शनी में ऋषि अगस्त्य के जीवन एवं कार्यों के बारे में सचित्र वर्णन

वाराणसी। 15 फरवरी 2025 से प्रारंभ हुए काशी तमिल संगमम् 3.0 में ऋषि अगस्त्य एवं विकसित भारत विषय पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लगायी गयी चित्र प्रदर्शनी का उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री, डॉ. एल. मुरुगन ने अवलोकन किया और इसे सराहनीय बताया। इसके पूर्व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने गंगा के पावन तट, नमो घाट वाराणसी में 15 से 24 फरवरी 2025 तक आयोजित काशी तमिल संगमम् उत्सव में केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, लखनऊ द्वारा ऋषि अगस्त्य एवं विकसित भारत विषय पर लगायी गयी चित्र प्रदर्शनी का अनावरण किया। अनावरण के पश्चात प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद मंत्री ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए इसे काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों से स्थापित सांस्कृतिक संबंध को मजबूत बनाने वाला बताया। इस ज्ञानवर्धक एवं आकर्षक चित्र प्रदर्शनी में ऋषि अगस्त्य के जीवन एवं कार्यों के बारे में सचित्र वर्णन किया गया है। साथ ही साथ तमिलनाडु के अन्य महान ऋषि, सामाजिक सुधारक, बैज्ञानिक, शिक्षाविद, कवि और स्वतंत्रता सेनानी के जीवन एवं कार्यों के बारे में भी सचित्र जानकारी को दर्शाया गया है। इस प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की विगत दस वर्ष की उपलब्धियों, कार्यकमों, योजनाओं और जानकल्याणकारी नीतियों को भी दर्शाया गया है। जिसमें नमो ड्रोन दीदी, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, विद्याँजली, आत्म निर्भर भारत, स्किल इंडिया, एक भारत श्रेष्ठ भारत, हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, आजाद भारत के तीन नये कानून, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ–साथ नारी सशक्तिकरण एवं अन्य योजनाओं की जानकारी दर्शकों और जनसामान्य के लिए प्रदर्शित की गई है।प्रदर्शनी में केंद्रीय संचार ब्यूरो, वाराणसी द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित हुई और प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों पुराने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने वाले काशी तमिल संगमम् के इस तृतीय संस्करण में लगायी गयी चित्र प्रदर्शनी में तमिलनाडु की महान विभूतियों जैसे ऋषि अगस्त्य, तमिल महिला कवि संत अव्वैयार, तमिल कवि संत तिरुवल्लुवर, शिव भक्त, कवयित्री और संत कारैकल अम्माइयार, भक्ति आंदोलन की कवि एवं संत अंडाल(कोधाई), थिरूनावुक्कारसर, तमिल कवि और समाज सुधारक रामलिंग स्वामी (वल्लालर), तमिल विद्वान यू वी स्वामीनाथ अय्यर, तमिल कवि, लेखक, पत्रकार और भारतीय स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्य भारती, अग्रणी समाज सुधारक, चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी, ब्रिटिश भारत में पहली महिला विधायक डॉ. मुथुलक्ष्मी रेड्डी, गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन, वैज्ञानिक सी. वी. रमन, अविष्कारक और उद्योगपति जी. डी. नायडू, खगोलशास्त्री सुब्रमण्यम चंद्रशेखर, भारत में हरित क्रांति के जनक डा. एम. एस. स्वामीनाथन, भारत के पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, नॉवेल पुरस्कार विजेता वेंकटरामन रामकृष्णन इत्यादि के जीवन दर्शन को चित्रों एवं शब्दों में दर्शाया गया है।

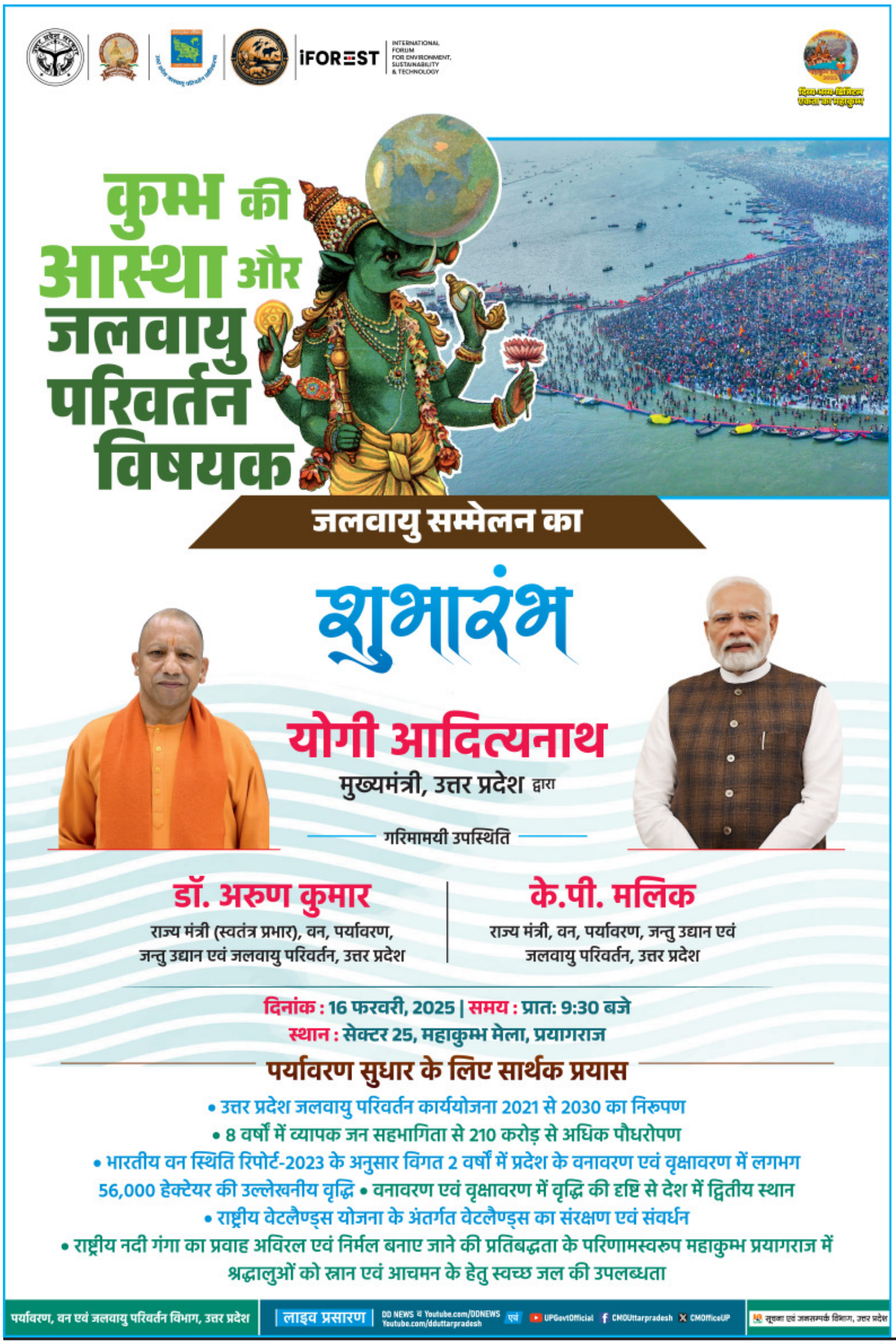

कोटा में केमिकल कंपनी की गैस रिसाव से स्कूल में अफरातफरी, अचेत हुए 12 छात्र

कोटा, एजेंसी। राजस्थान के कोटा के सिमलिया थाना क्षेत्र में शनिवार को सीएफसीएल फैक्ट्री से अमोनिया गैस के रिसाव से कई छात्र बीमार पड़ गए। रिसाव से गढ़ेपान गांव के सरकारी स्कूल के छात्र प्रभावित हुए हैं। बच्चों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से छह की हालत गंभीर थी। न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक, आशुतोष शर्मा ने बताया ति जिन छात्रों को यहां रेफर किया गया था, उनकी हालत स्थिर थी। हमने उनका प्राथमिक उपचार किया और जेके लोन अस्पताल में रेफर किया। किसी की भी हालत गंभीर नहीं थी। बताया जा रहा है कि गैस रिसाव से कुल 12 छात्र प्रभावित हुए हैं। उनमें से पांच को शुरू में कोटा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था, लेकिन उनकी बिगड़ती हालत के कारण बाद में उन्हें कोटा के जेके लोन अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि चंबल फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) फैक्ट्री में सुबह करीब 11 बजे गैस रिसाव हुआ। हाई सेकेंडरी स्कूल में छात्रों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कुछ ही देर में उनमें से कुछ बेहोश हो गए, जिससे स्कूल में दहशत फैल गई। अराजकता फैल गई और अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया। सीएफसीएल एक फैक्ट्री है जो यूरिया खाद का उत्पादन करती है।

ड्रोन्स असेंबल करने में नहीं, सभी पुर्जे बनाने पर महारत जरूरी : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि ड्रोन्स तकनीकी पर हमारे युवाओं का कब्जा ज़रूरी है और इसे असेंबल करने की बजाय इसके सभी पुर्जे हमें तैयार करने होंगे तभी हम इसमें महारत हासिल कर सकते हैं। श्री गांधी ने कहा "ड्रोन ने युद्ध लड़ने के तरीक़े को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। बैटरी, मोटर और ऑप्टिक्स के संयोजन से युद्ध के मैदान में घात–प्रतिघात और संचार में अभूतपूर्व बदवाल आया है। लेकिन ड्रोन सिर्फ़ एक टेक्नोलॉजी भर नहीं हैं – वे एक मज़बूत इंडस्ट्रियल सिस्टम द्वारा ज़मीनी और छोटे–छोटे स्तर पर उत्पादन होने वाले नवाचार हैं। ड्रोन्स ने टैंक, तोप और यहां तक कि एयरक्राफ्ट कैरियर के महत्व को भी कम कर दिया है। एयर पावर को प्लाटून लेवल तक ला दिया है और युद्धक्षेत्र में खुफिया तंत्र एवं सटीकता को नया रूप दिया है। लेकिन यह क्रांति सिर्फ युद्ध तक सीमित नहीं है, यह उद्योग, एआई और अगली पीढ़ी की तकनीक की भी बात है।" उन्होंने इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया और कहा "दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री मोदी इसे समझने में असफल रहे हैं। ऐसे समय में जब वह एआई पर सिर्फ़ 'टेलीप्रॉम्प्टर' से पढ़कर भाषण देने में लगे हैं, हमारे कंपीटीटर्स नई टेक्नोलॉजी में महारत हासिल कर रहे हैं। भारत को खोखले भाषणों की नहीं बल्कि मजबूत उत्पादन बेस की ज़रूरत है। असली शक्ति सिर्फ ड्रोन बनाने में नहीं बल्कि उनके पीछे की इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स और उत्पादन तंत्र को नियंत्रित करने में है लेकिन भारत इस क्षेत्र में नहीं बढ़ रहा है। हम एआई या तकनीक में नेतृत्व नहीं कर सकते अगर हमारा उत्पादन पर नियंत्रण नहीं है।

सम्पादकीय

बिहार से पहले बंगाल की चर्चा क्यों?

दिल्ली चुनाव के नतीजों पर टीवी कवरेज के दौरान जब भाजपा की जीत पक्की लगने लगी तो साथ बैठे एक पत्रकार ने, जिनका रुझान साफ भाजपा की तरफ रहता है, कहा कि अब दिल्ली का तो फैसला हो गया, अब अगली लड़ाई बंगाल की है। तब लगा कि शायद वे इसके बाद होने वाले बिहार चुनाव को भूल रहे हैं, सो टोक दिया। लेकिन अगले दिन जब कैरियर और कमाई के लिए सारे धरम और विचार बेच चुके अपने पुराने सहयोगी दिलीप मण्डल जी का सोशल मीडिया संदेश देखा तो लगा कि मैं ही चूक कर रहा था। संघ परिवार और भाजपा की नजर दिल्ली के बाद बंगाल पर ही है और जिस तरह आप और अरविन्द केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए शसिरदर्द बने हुए थे उसी तरह ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस भी एक चुनौती बनी हुई है– संभवतरू केजरीवाल से भी बड़ी। ममता का राज तो 2011 से चल रहा है लेकिन भाजपा ने जितनी तैयारी से 2021 और 2016 का चुनाव लड़ा उससे बंगाल जीतने की उसकी गहरी इच्छा का पता चलता है। अब यह हो रहा है कि तृणमूल के वोट कम हों न हों भाजपा का वोट प्रतिशत और जीत कम होती जा रही है। ऐसा लोक सभा चुनाव में भी हुआ है और विधान सभा चुनाओं में भी। भाजपा भी यह हिसाब लगा ही रही होगी कि इस बार उसे क्या करना है और कैसे अपने आखिरी मजबूत विपक्षी गढ़ को फतह करना है लेकिन उससे पहले ममता की यह घोषणा आ चुकी है कि अगला चुनाव तृणमूल अकेले लड़ेगी और कांग्रेस से कोई गठबंधन नहीं होगा। उलटे उन्होंने दिल्ली में आप की पराजय के लिए कांग्रेस के सिर भी गठबंधन नहीं करके भाजपा को मदद करने का तोहमत मढ़ दिया। इंडिया गठबंधन को बनाने और उसकी परवाह न करने में ममता अगुआ हैं। अरविन्द केजरीवाल बनाने से दूर रहे लेकिन लाभ घाटे के आधार पर उसका उपयोग करते और दूरी बनाते रहे। ममता ने अगर कांग्रेस से गठबंधन को लेकर इतना साफ बयान दे दिया है तो वाम दलों से गठजोड़ का सवाल ही नहीं उठता। और अगर कांग्रेस और वामदल साथ आकर ममता बनर्जी के पंद्रह साल के शासन से पैदा एंटी इंकम्बेन्सी का लाभ लेकर अपना प्रदर्शन जरा भी सुधार लें तो फिर तृणमूल की जीत मुश्किल हो जाएगी। आखिर दिल्ली में कांग्रेस के मतों में दो फीसदी का इजाफा और आप तथा कांग्रेस का साथ न लड़ना ही भाजपा की जीत में सबसे बड़ा कारण बना। भाजपा इस संभावना से खुश होगी। तय मानिए कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह वाली भाजपा की बंगाल विजय की रणनीति में अकेले यही दांव नहीं होगा। और यह भी मत मानिए कि एक बार बंगाली मुसलमानों को पटाने तो दुबारा मटुआ समुदाय को ज्यादा जोर–शोर से अपनाने (तथा घुसपैठी बांग्लादेशी हिंदुओं को नागरिकता दिलाने का कानून लाने) जैसे कदमों की असफलता के बाद भाजपा के तरकश के तीर समाप्त हो गए होंगे। पिछले दिनों एक डाक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले पर उसने पश्चिम बंगाल के साथ देशव्यापी स्तर पर जिस तरह ममता सरकार की घेराबंदी की थी उसमें यह लगने लगा था कि अगर राज्य सरकार बर्खास्त भी हों जाए तो कोई आश्चर्य की बात न होगी। खैर इस प्रकरण में राज्य सरकार बच निकली और हत्यारे के साथ ममता या तृणमूल का कोई न्यस्त स्वार्थ साबित नहीं हुआ। उलटे ममता बनर्जी भी इस कांड के दोषियों को सजा दिलाने में तत्पर लगीं और एक सीमा के बाद हड़ताली डाक्टरों का विरोध राजनैतिक लगने लगा। देश भर से दबाव बनाने की भाजपाई रणनीति अभी भी बनी हुई है और केजरीवाल की तरह ममता को भी बंगाल के विकास का दोषी, परिवारवादी और भ्रष्टाचारियों का संरक्षक बताने की मुहिम जारी है। ममता की लड़ने–भिड़ने की ताकत भी कम नहीं है पर उनकी ईमानदारी और सादगी ऐसे गुण हैं जिन पर बंगाल ही नहीं, देश का काफी बड़ा वर्ग फिदा है। ममता और नीतीश जैसे नेता आज की राजनीति में कम हैं और अगर भाजपाई जमात बिहार की जगह बंगाल के चुनाव की चर्चा शुरू करने लगा है तो उसकी वजह उसकी अपनी ताकत से ज्यादा नीतीश कुमार का साथ ही है। वैसे भाजपा के अंदर एक समूह नीतीश को शनिपटानेश की रणनीति वाला है क्योंकि उनके रहते भाजपा के लिए बिहार में जीत हासिल करना कठिन होगा। ममता बनर्जी आज इस बात का भी काफी प्रचार कर रही हैं कि उनके शासनकाल में बंगाल में साढ़े चार लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव आये है। पर बंगाल पुराने दिनों की तरह देश की आर्थिक राजधानी बनने से तो कोसों दूर हों चुका है। इतने लंबे शासन से उम्मीदें न पूरी होने की नाराजगी भी बढ़ती ही गई है जिसे मैनेज करना भी एक चुनौती होगी। ममता के लिए एक चुनौती अपनी जिद पर अकेले राजनीति करने की भी है। वे देश स्तर पर तो मोदी विरोधियों की एकजुटता चाहती हैं लेकिन बंगाल को अपने लिए रखना चाहती हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ उन्होंने इधर काफी कुछ कहा है। और इस बीच बचाव करने वाले प्रणव मुखर्जी भी नहीं हैं। जो धमक अभी से सुनाई दे रही है उससे साफ लगता है कि बंगाल का घमासान दिलचस्प होगा। जाहिर तौर पर इस पर उससे पहले हुए बिहार चुनाव का प्रभाव भी रहेगा और तब तक और घटनाक्रम भी अपना स्वतंत्र रुख भी रखेंगे। लेकिन भाजपा किस तरह की तैयारी करती है इसे नहीं भूलना चाहिए। ओडिशा में जब उसने पाइका विद्रोह का मसला उठाकर खंडायतों को साथ करने की रणनीति अपनाई तब बहुतों को लगता था कि यह व्यर्थ की कवायद है क्योंकि खुद खंडायत भी गोलबंद नहीं है। वे एक साथ क्षत्रिय से लेकर शूद्र होने के दावे करते हैं। पर बंगाल में मटुआ अर्थात नामशूद्रों का मसला ज्यादा लाभ नहीं पहुंचा सका। इसकी एक वजह तो उनका भारत और बंगाल में कम होना है। फिर सामने ममता बनर्जी थीं जिन्होंने भाजपा का रुख भांपते ही अपनी सरकार और पार्टी में मटुआ लोगों की कदर बढ़ा दी। फिर बंगाल की मुसलमान आबादी का ऊंचा अनुपात भी भाजपा ओवैसी या फुरफुरा साहिब के कुछ धर्मगुरुओं के सहारे पार करने लायक नहीं है। बंगाल का पढ़ा–लिखा समाज भाजपाई राजनैतिक हथकंडों से खुश नहीं रहता और बंगाल में जातिगत गोलबंदियां बहुत कम हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में कड़ा है मुकाबला, भारत की साख दांव पर

❍ पिछली चौम्पियंस ट्रश्वफी जून. 2017 में इंग्लैंड और वेल्स में खेली गई थी। तब भारत और पाकिस्तान की भिडंत फाइनल में हुई थी और पाकिस्तान ने हमें पराजित कर दिया था। लीग मैच में तो भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया था लेकिन फाइनल में हम उससे पार नहीं पा सके।

आदर्श प्रकाश सिंह

क्रिकेट की दुनिया में एक बार फिर से चौम्पियंस ट्रॉफी की वापसी हो गई है। इसी महीने की 19 तारीख से इसका शुभारंभ पाकिस्तान की धरती से हो रहा है। इसे मिनी विश्व कप भी कहा जाता है। इस प्रतियोगिता में आईसीसी वनडे रैंकिंग की आठ टीमें भाग लेती हैं। आईसीसी ने उन देशों में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए चौम्पियंस ट्राफी की शुरुआत की जहां टेस्ट मैच नहीं खेले जाते हैं। इसीलिए पहली चौम्पियंस ट्रॉफी 1998 में बांग्लादेश में खेली गई। इसके बाद इसका आयोजन 2002 में कीनिया में हुआ। 2013 में भारत इसका विजेता रहा है। पहले यह हर दो साल पर खेली जाती थी। इस बार 50 ओवरों के फार्मेट में इसके मैच पाकिस्तान के अलावा दुबई में खेले जाएंगे। भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इस नाते भारत के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान की दलील थी कि जब उसकी टीम विश्व कप खेलने भारत जा सकती है तो भारत की टीम को भी पाकिस्तान आना चाहिए। पिछले साल यह मामला काफी चर्चा में रहा कि भारत सरकार क्या रवैया अपनाएगी, अपनी टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति मिलेगी या नहीं? आखिरकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के बीच यह तय हुआ कि भारत अपने मैच किसी तटस्थ देश में खेलेगा। इसके लिए संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई को चुना गया जहां पहले भी भारत खेल चुका है। अब अगर भारत फाइनल या सेमी फाइनल में पहुंचता है तो भी वह अपने मैच दुबई में ही खेलेगा। हम सब जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास है। इसके चलते द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जा रही है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में इसके लिए हाइब्रिड माडल का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी दोनों देश तटस्थ स्थान पर खेल रहे हैं। दो साल पहले एशिया कप भी इसी आधार पर खेला गया था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले और प्रतियोगिता में विजय भी पाई। पिछली चौम्पियंस ट्रॉफी जून. 2017 में इंग्लैंड और वेल्स में खेली गई थी। तब भारत और पाकिस्तान की भिडंत फाइनल में हुई थी और पाकिस्तान ने हमें पराजित कर दिया था। लीग मैच में तो भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया था लेकिन फाइनल में हम उससे पार नहीं पा सके। उसके बाद यह प्रतियोगिता काफी दिनों तक स्थगित रही। अब 2025 में इसकी वापसी हो रही है। विश्व की आठ प्रमुख टीमें इसके लिए मैदान में उतरेंगी। भारत का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के साथ होगा।

विश्व कप.2023 में मिली पराजय को भारत भूला नहीं है। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से हम हार गए थे। इसके बाद एकदिवसीय प्रारूप में खेली जाने वाली यह पहली स्पर्धा होगी। भारत पिछले जख्म का बदला लेना अवश्य चाहेगा। इस नाते हम कह सकते हैं कि भारत की प्रतिष्ठा दांव पर है। इंग्लैंड के साथ मौजूदा सीरीज में हमारा प्रदर्शन बढिध्या रहा है। भारत टी.20 सीरीज 4.1 से जीत गया है और वनडे सीरीज में भी 2.0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। नागपुर में वनडे सीरीज का पहला और कटक में रविवार को हुआ दूसरा मैच भारत ने चार विकेट से जीत लिया है। इससे चौम्पियंस ट्रॉफी के लिए अच्छा अभ्यास हो गया है। भारतीय टीम का ऐलान किया जा चुका है। कप्तान रोहित शर्मा को बनाया गया है जो सीमित ओवरों के मैच में सफल खिलाड़ी रहे हैं। मगर, पिछले कुछ महीनों से उनके प्रदर्शन में काफी गिरावट आई है। ऑस्ट्रेलिया में खेली गई बार्डर.गावस्कर टेस्ट सीरीज में रोहित बुरी तरह नाकाम रहे। हालत यह थी कि आखिरी टेस्ट में उन्हें बाहर बैठना पड़ा। भारत में यह पहली बार हुआ जब खराब प्रदर्शन के कारण कप्तान को ही मैच में नहीं उतारा गया। उनके कॅरियर पर अब सवाल उठाए जा रहे हैं। पर, उनका कहना है कि मैं अभी संन्यास नहीं लूंगा। नागपुर वनडे में रोहित का बल्ला नहीं चला। वह दो रन बना कर आउट हो गए। लेकिन कटक में 119 रनों की पारी खेल कर उन्होंने फॉर्म में लौटने के संकेत दिए हैं। रोहित से ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। चौम्पियंस ट्रॉफी से पहले उनका लय में लौटना आवश्यक भी था। विराट कोहली का बल्ला भी काफी दिनों से खामोश है। नागपुर में वह चोट के कारण नहीं खेले लेकिन कटक में उनके बल्ले से केवल 5 रन निकले। विराट और रोहित का यह आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है क्योंकि दोनों पर उम्र का प्रभाव दिख रहा है। इन दोनों के निराशाजनक प्रदर्शन से टीम का पराजय का मुंह देखना पड़ता है। उप कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में अर्धशतकीय पारी खेली है। यह शुभ संकेत है, पर केएल राहुल ने निराश किया है। चौम्पियंस ट्रॉफी के लिए जसप्रीत बुमराह का फिट होना बहुत जरूरी है। इसी कारण इंग्लैंड के विरुद्ध मैचों में उन्हें नहीं उतारा गया। मोहम्मद शमी लगभग एक साल बाद वापसी कर रहे हैं। बुमराह और शमी अगर पूरी तरह फिट रहे तो भारत की संभावनाएं काफी प्रबल हो जाएंगी। अक्षर पटेल का हरफनमौला प्रदर्शन भारत के लिए बोनस की तरह है। आशा है, रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे और भारत इस आईसीसी ट्रॉफी को जीत कर विश्व कप. 2023 की हार का गम करेगा।

एक गंभीर अनुत्तरित सवाल है आत्महत्या, जिसे संवेदनहीनता ने बना दिया जटिल

श्यौराज सिंह बेचैन

विगत माह सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को निर्देश दिया था कि वह केंद्रीय, राज्य, निजी और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से जाति आधारित भेदभाव से संबंधित मामलों के आंकड़े एकत्र करे। यद्यपि कोर्ट का आशय एससीध्एसटी छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं से संबंधित याचिकाओं का संज्ञान लेना था।ध्आत्महत्या किसी भी जाति–वर्ग, किसी भी उम्र के व्यक्ति ने की हो, संवेदनशील समाज का चिंतित होना स्वाभाविक है। आत्महत्याओं के कारण और प्रकार अलग–अलग होते हैं। मध्य प्रदेश निवासीध्आईआईटी, रुड़की की उन्नीस वर्षीय छात्रा अंशु ने छात्रावास में खुदकुशी की। ऐसा नहीं है कि यह केवल स्कूल–कॉलेज के छात्रों का मामला हो। दर्शनशास्त्र के वरिष्ठ स्कॉलर गोरख पांडे ने 29 जनवरी, 1989 को जेएनयू–हॉस्टल में आत्महत्या कर ली थी। गत माह मुंबई की एयर इंडिया पायलट सृष्टि तुली की आत्महत्या का मामला हो या वाराणसी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य सुष्मिता सिंह का ओवरब्रिज सेध्कूद कर जान देने का मामला। सिनेजगत में शोहरतध्और पैसा सर्वाधिक है। यहांध्रोटी और कपड़ों का कोई आधारभूत का संकट नहीं है, लेकिन तब भी आत्महत्याएं होती हैं।

हाल ही में रजनीकांत की कबाली फिल्म के निर्माता केपी चौधरी ने गोवा के अपने किराये के मकान में आत्महत्या की। इससे पूर्व दिव्या भारती, सुशांत सिंह राजपूत, जिया खान, गुरुदत्त आदि की मौतें रहस्य ही बनी रहीं। कोई भी आत्महत्या संबंधित व्यक्तियों के लिए भी गहरा आघातकारी होती है। दक्षिण अफ्रीकी फोटो पत्रकार केविन कार्टर द्वारा ली गई अकाल पीड़ित सूडान की

एक तस्वीर 27 मार्च, 1993 को न्यूयॉर्क टाइम्स में 'द वल्चर एंड द लिटिल गर्ल' शीर्षक से प्रकाशित हुई थी, जिस पर उन्हें पुलित्जर पुरस्कार से नवाजा गया था। इससे प्रसन्न होने के बजाय कार्टर ने तीन माह उपरांत ही आत्महत्या कर ली थी।ध्स्वतंत्रताकालीन इतिहास में भी ऐसा एकध्आघात दर्ज है। 'स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' कहने वाले बाल गंगाधर तिलक के बेटेध्श्रीधर बलवंत तिलक ने 25 मई, 1928 को आत्महत्या की थी। उनके मित्र डॉ. बीआर आंबेडकर ने सप्ताहिकध्दुनिया के 2 जून, 1928 के अंक में उन पर एक मृत्युलेख लिखा था। मई 2019 में मुंबई के एक अस्पताल में आदिवासी समाज की एक महिला डॉक्टर पायल तड़वी ने आत्महत्या की। उसी तरह हैदराबाद विश्वविद्यालय के पीएचडी स्कॉलर रोहित वेमुला ने आत्महत्या कर संवेदनशीन शिक्षा जगत को हिलाकर रख दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने रोहित वेमुला और पायल तड़वी की मां की अर्जियों पर आश्वस्त किया कि 'बनाएंगे प्रभावी तंत्र'।

हाल ही में दलित वकीलों के एक संगठन ने राष्ट्रपति और महाराष्ट्र के राज्यपाल से पुलिस हिरासत में हुई मृत्यु के लिए जिम्मेदार पुलिस अफसरों को सजा देने की मांग की है। 2004 से 2024 के बीच केवल आईआईटी में हुई 115 आत्महत्याओं के आंकड़े केवल गिनती भर नहीं थे, वे जलते सवाल थे अनुसूचित जातियों, जनजातियों के छात्रों की जिंदगियों के। एक हिंदी दैनिक के अनुसार, खुदकुशी करने वालों में 70 फीसदी पुरुष और 30 फीसदी संख्या महिलाओं की है। जनवरी 25 को एम्स में क्लीनर 'रेनू' ने दूसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या की। सात जनवरी को मध्य प्रदेश में ठग द्वारा डिजिटल अरेस्ट से दहशदजदा अतिथि शिक्षिका ने जहर खाकर आत्महत्या की। आईआईटी, मुंबई में फरवरी, 2023 को 'दर्शन सोलंकी' की आत्महत्या का मामला प्रकाश में आया था, तो संस्था पर जातिवादी होने का आरोप लगा था। जहां आत्महत्याओं के प्रति संवेदना ही न हो, वहां क्या समाज और क्या संस्थाएं,ध्सभी सवालों के घेरे में हैं।

हत्या हो या आत्महत्या मनुष्यता के लिए दोनों ही क्षतिकारक हैं। कानून की नजर में आत्महत्या अपराध है। हालांकि, अच्छे संकेत हैं कि आत्महत्याओं के मामलों में 40 फीसदी कमी आ गई है। न्यायालय द्वारा दिए गए उक्त निर्देश में देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय, समान अवसर प्रकोष्ठ एससीध्एसटी सेल आत्महत्याओं के मामले में अनदेखी न करें। 2019 से लेकर 2024 तक क्रमशः 14 बिंदुओं पर पूरे आंकड़े ऑनलाइन उपलब्ध कराएं। शिकायत समाधान सेल ने भी अब तक क्या किया, इसकी जानकारी देनी होगी।

भारत को विकसित हो रही एआई विश्व व्यवस्था में प्रमुखता से शामिल होना होगा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा आकार दिये जा रहे विकासशील विश्व व्यवस्था में वैश्विक दक्षिण पर अधिक जोर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान एक रणनीतिक प्रस्ताव है। 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी शक्ति बनने के साथ, यह जरूरी है कि विकासशील देश, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में, इसके प्रक्षेपवक्र को परिभाषित करने में भूमिका निभायें। पेरिस संस्करण के बाद अगले एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की भारत की पेशकश, जिसकी सह–अध्यक्षता मोदी ने की, इस परिवर्तनकारी स्थान में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की उसकी महत्वाकांक्षा को रेखांकित करती है। हालांकि, यह इरादा नेक है, चीन की हालिया प्रगति, विशेष रूप से डीपसीक के उद्भव के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता के परिदृश्य में पहले से ही एक बड़ा बदलाव आया है, जो एआई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। डीपसीक से पहले और बाद के चरण एक नई वास्तविकता को दर्शाते हैं जिसमें एआई में लंबे समय से चले आ रहे अमेरिकी प्रभुत्व को गंभीर व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। डीपसीक द्वारा उत्प्रेरित एआई में चीन का उत्थान, अमेरिकी एआई साम्राज्यवाद के लिए एक बुनियादी चुनौती का प्रतिनिधित्व करता है। यह बदलाव अकेले नहीं हुआ है, बल्कि, यह रणनीतिक और नीति–संचालित विकास की एक श्रृंखला की परिणति है, जिनमें से कई का पता संयुक्त राज्य अमेरिका के तकनीकी वर्चस्व के अपने दृष्टिकोण से लगाया जा सकता है। सेमीकंडक्टर तकनीक और एआई चिप्स पर निर्यात प्रतिबंध सहित वाशिंगटन की प्रतिबंधात्मक नीतियों ने अनजाने में स्वदेशी विकल्प विकसित करने के चीन के दृढ़ संकल्प को बढ़ावा दिया है, जिससे डीपसीक जैसी सफलताएं मिली हैं। यह बदलाव केवल एआई मॉडल या एल्गोरिदम के बारे में नहीं है, बल्कि एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में भी है जिसमें सेमीकंडक्टर विनिर्माण, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और क्वांटम कंप्यूटिंग शामिल हैं। इस सभी क्षेत्रों में चीन तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के लिए चुनौती दोहरी है। सबसे पहले, उसे अपने और एआई महाशक्तियों, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ती खाई को पाटने के लिए अपनी एआई क्षमताओं में तेजी लानी होगी। दूसरा, उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी एआई नीतियां वैश्विक दक्षिण को सशक्त बनाने के बड़े लक्ष्य के साथ संरेखित हों, ताकि एआई को भू–राजनीतिक आधिपत्य का एक और उपकरण बनने से रोका जा सके। पेरिस में मोदी के साथ गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई की बैठक वैविक तकनीकी दिग्गजों द्वारा एआई में भारत की संभावित भूमिका को मान्यता देने को दर्शाती है। हालांकि, इस क्षमता को ठोस कार्रवाई में बदलना होगा, जिसमें घरेलू एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने से लेकर नियामक ढांचे विकसित करना शामिल है जो नवाचार को नैतिक विचारों के साथ संतुलित करते हैं। भारत की एआई यात्रा को अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने दो साल पहले ही भारत के एआई परिदृश्य को निराशाजनक बताया था। हाल ही में उन्होंने स्वीकार किया कि भारत अब ओपन एआई का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जो देश की प्रगति का प्रमाण है। फिर भी, एआई तकनीकों का एक प्रमुख उपभोक्ता होना एआई अनुसंधान और विकास में अग्रणी होने से बहुत अलग है। भारत को मूलभूत एआई मॉडल बनाने, एआई–विशिष्ट हार्डवेयर विकसित करने और एक मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने का प्रयास करना चाहिए जो स्वदेशी एआई नवाचार को आगे बढ़ा सके। एआई में वैश्विक दक्षिण की भूमिका निष्क्रिय भागीदारी या मौजूदा महाशक्तियों के साथ नीति संरेखण तक सीमित नहीं हो सकती। इसके बजाय, इसे आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के लिए एआई का लाभ उठाना चाहिए। एआई में स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शिक्षा और शासन में क्रांति लाने की क्षमता है, ऐसे क्षेत्र जहां विकासशील देशों को सबसे अधिक लाभ मिल सकता है। चुनौती वैश्विक दक्षिण की अनूठी जरूरतों के अनुरूप एआई समाधान विकसित करने की है, न कि बहुत अलग सामाजिक–आर्थिक संदर्भों के लिए डिजाइन किये गये मॉडल आयात करने की। यह सुनिश्चित करने के लिए एआई अनुसंधान, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता है ताकि एआई डिजिटल उपनिवेशीकरण का एक और तंत्र न बन जाये। एआई का भू–राजनीतिक परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, और भारत एक चौराहे पर खड़ा है। जबकि पश्चिमी तकनीकी दिग्गजों के साथ इसके रणनीतिक गठबंधन सहयोग के लिए अवसर प्रदान करते हैं, इसकी दीर्घकालिक एआई रणनीति को एआई विकास में आत्मनिर्भरता और नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। चीन के डीपसीक ने एआई में एक नये युग का संकेत दिया है, और ऐसी स्थिति में भारत आत्मसंतुष्ट होकर बैठा रहना बर्दाश्त नहीं कर सकता। एआई–संचालित विश्व व्यवस्था को सही मायने में आकार देने और ग्लोबल साऊथ की वकालत करने के लिए, इसे अपनी स्वयं की एआई क्षमताओं में निवेश करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उभरते एआई ढांचे समावेशी, नैतिक और सभी देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल प्रमुख खिलाड़ियों का।

वाराणसी में मांगी पांच लाख की रंगदारी

जिला जेल में बंद दुष्कर्म के आरोपी के गुर्गे ने दी धमकीय, मुकदमा

वाराणसी। जिला जेल में दुष्कर्म के आरोप में बंद चंद्रभूषण सिंह उर्फ प्रभुजी के इशारे पर उसके गुर्गे ने खुशहाल नगर निवासी शैलेश सिंह से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी। इसके साथ ही जिला जेल जाकर चंद्रभूषण सिंह से मुलाकात करने का दबाव बनाया। बात न मानने पर उनके खिलाफ कैंट थाने में मारपीट सहित अन्य आरोपों में फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया। शैलेश की शिकायत पर चंद्रभूषण सिंह उर्फ गुरुजी और मिर्जापुर जिले के संधौरा गांव निवासी किशन जायसवाल के खिलाफ कैंट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। शैलेश सिंह ने पुलिस को बताया कि उन्हें और उनके परिजनों को शातिर अपराधी चंद्रभूषण सिंह उर्फ प्रभुजी और उसके गिरोह द्वारा लगातार जाने से मारने की धमकी दी जा रही है। चंद्रभूषण सिंह खुद को धार्मिक गुरु और आध्यात्मिक संत के रूप में प्रस्तुत करता है।

ऐसे दी थी धमकी

चंद्रभूषण सिंह के गिरोह का किशन जायसवाल लोगों से अवैध वसूली करता है। वर्ष 2018 से 2022 तक इस गैंग के आतंक से भयभीत होकर उन्होंने चंद्रभूषण सिंह के खाते में 10 लाख रुपये ट्रांसफर किए। गत 10 जनवरी को एसबीआई की कचहरी शाखा से निकल कर वाहन स्टैंड कचहरी की ओर जा रहे थे। रास्ते में विकास भवन के सामने किशन जायसवाल ने उन्हें पकड़ लिया और जेल में बंद चंद्रभूषण सिंह से मिलने के लिए बाध्य किया। उसने पांच लाख रुपये की रंगदारी की मांग की। धमकी दिया कि पैसा न मिलने पर मुकदमे में फंसा देंगे या फिर जान से मार देंगे। शैलेश ने बताया कि उन्होंने किशन को पकड़ कर कचहरी चौकी ले जाना चाहा,

लेकिन कुछ लोगों और वकीलों ने बीचबचाव किया। किशन को समझाया कि आज के बाद यदि शैलेश को परेशान किया तो तुम्हारे ऊपर मुकदमा हो सकता है।

किशन जायसवाल ने अपने गिरोह के मुखिया चंद्रभूषण सिंह उर्फ प्रभुजी के इशारे पर घटना के 15 दिन बाद 25 जनवरी 2025 को उनके खिलाफ मारपीट सहित अन्य आरोपों में कैंट थाने में फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया। शैलेश ने पुलिस से कहा कि उनके बैंक खाते की जांच कर उनसे की गई अवैध वसूली की जांच की जाए। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस सुरक्षा दिए जाने की मांग की है। इस संबंध में इंस्पेक्टर कैंट राजकुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बंदरों का आतंक, तीन दिनों में नौ महिलाएं जख्मी, क्षेत्र में दहशत, वन विभाग को सूचना दी गई

वाराणसी। कंदवा क्षेत्र के रामपुर गांव में बंदरों का आतंक ग्रामीण खौफजदा हैं। तीन दिनों में बंदरों ने नौ महिलाओं को अपना शिकार बनाया। उन्हें काट कर जख्मी कर दिया। महिलाओं का उपचार बरहनी पीएचसी, जिला अस्पताल चंदौली और वाराणसी में किया जा रहा है। बंदरों के काटने से गीता देवी (50), उर्मिला देवी (55), प्रतिभा देवी (62), गिरिजा देवी (70), शशिकला देवी (45), चिंता देवी (45), धर्मशीला (53), निर्मला देवी (63) और अनिता (56) गंभीर रूप से जख्मी हो गई हैं। कंदवा चौराहा, धीना बाजार, अमड़ा, पिपरदहा और पई गांव के लोग भी बंदरों के आतंक से परेशान हैं। रामपुर गांव के दुर्गादत तिवारी, हंसलाल शर्मा, अविनाश तिवारी, योगेंद्र खरवार, शरदेंदु शेखर तिवारी, शिवशंकर तिवारी आदि ने कहा कि बंदरों के उत्पात से पूरा गांव परेशान है। बंदर झुंड बनाकर कर घर की छतो पर घूम रहे हैं।

मैनेजर ही गिरोह बनाकर चोरी करता था साड़ी, दो गिरफ्तार

वाराणसी। पुलिस ने शुक्रवार को शहर कोतवाली क्षेत्र के एक बड़े साड़ी कारोबारी के प्रतिष्ठान से साड़ी की चोरी मामले का खुलासा किया।

पुलिस ने दो आरोपियों को 20 लाख 64 हजार की 3344 साड़ी के साथ गिरफ्तार किया है। चोरी की घटना को अंजाम देने वाला मुख्य सरगना प्रतिष्ठान का मैनेजर था। सरगना चोरी के पैसे से विदेश यात्रा करता था। एएसपी महेश सिंह अत्री ने बताया कि खीरीबाग स्थित अफजाल साड़ी सेंटर नाम से प्रतिष्ठान है, इसके संचालक अफजाल उर्फ गुड्डू ने दुकान से लगातार कीमती साड़ियों की चोरी की शिकायत की थी।

इसके बाद पुलिस ने इस मामले में दो टीम बनाई थी।

पुलिस ने बंधा रोड़ नवापुरा के पास से होजैफा नसीम निवासी कासिमपुरा को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह संबंधित प्रतिष्ठान में मैनेजर के पद पर था। उसने ही प्रतिष्ठान से लगातार कीमती साड़ियों की चोरी की घटना अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दे रहा था। आरोपी ने बताया कि वर्तमान में भी 275 साड़ी उसने 4 बोरियो में चुरा कर साथी मो. आमिर के बंधा रोड नवा पुरा पश्चिम थाना दक्षिण टोला स्थित मकान में रखा था। वहीं दूसरे साथी साहब अमहद के घर डोमनपुरा में 34 बोरी में 3069 साड़ी रखी है। पुलिस ने दोनों जगहों से दबिश देकर साड़ियों को बरामद की। वहीं पुलिस की दबिश पर मो.आमिर भाग गया, जबकि साहब अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मैनेजर के मोबाइल में मिली विदेश यात्रा की फोटो रू एएसपी ने बताया कि आरोपी होजैफा नसीम बहुत शातिर है। वह करीब 6 से 7 वर्षो से अफजाल साड़ी सेंटर में काम करता है। बताया कि पिछले कई महीनों से उसने अपने तीन अन्य दोस्तों मो0 आमिर, साहब अहमद, मो. उमर के साथ मिलकर एक गिरोह बनाकर उनके साथ ही अफजाल साड़ी सेंटर की दुकान व गोदाम से साड़ियों की चोरी कर उसे अपने घरों में इकठ्ठा किया। साड़ियों को बेचकर जो पैसे मिलते थे उसी से ये लोग खुद का खर्च व घर का भी खर्च चलाते हैं। वहीं पीड़ित व्यापारी ने बताया कि मैनेजर के फोन में कई ऐसी फोटो है जिसे उसने विदेश में खिंचवाई थी।

श्रद्धालुओं से भरी बस में ट्रक के बाद भिड़ते गए कई वाहन, मची चीख-पुकार, 10 लोग घायल, महिला गंभीर

चंदौली। त्वंक ।बबपकमदज पद न्द रू चंदौली के सदर कोतवाली नेशनल हाईवे 19 पर कटसिला गांव के पास बीती रात सड़क हादसा हो गया। हाईवे पर यात्रियों से भरी बस को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, उसके पीछे चल रही इनोवा ट्रक से टकरा गई। इनोवा के परखच्चे उड़ गए। उसमें पीछे चल रही अर्टिगा कार भी टकराई गई। घंटों रेस्क्यू के बाद बस में घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां नौ का इलाज चल रहा है, वहीं एक वाराणसी रेफर कर दिया गया। सदर कोतवाली क्षेत्र के कटसिला गांव के समीप नेशनल हाईवे पर चार वाहनों की आपस में शुक्रवार की रात टक्कर हो गई। हादसे में महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी बस आंध्र लौट रही थी, जो चपेट में आ गई। इसके बाद वहां अफरातफरी के साथ की चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस और आसपास के ग्रामीणों ने से 10 लोगों को घायलावस्था में बाहर निकाल अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों में बाला रमैया (65), चंना रमैया (50),नार लक्ष्मा (55), राम लक्ष्मा (50), लक्ष्मा (55), अंजना रमैया (48), अनसूया (70), जेबी सुम्मा (75), लक्ष्मी नारायण अम्मा (65), शुंमा लक्ष्मा (65) घायल है।

वीडीए ने ध्वस्त कराई तीन बीघे की अवैध प्लॉटिंग

वाराणसी। वीडीए ने कटेसर में तीन बीघे की अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त कराई। रामनगर वार्ड के कटेसर मुगलसराय में अज्ञात की ओर से बगैर ले आउट स्वीकृत कराए तीन बीघे में अवैध प्लॉटिंग विकसित की जा रही थी। इसे वीडीए के जोनल अधिकारी सिंह गौरव जय प्रकाश ने पुलिस बल के सहयोग से ध्वस्त कराया। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने आम जनता से अपील की कि वीडीए से ले–आउट स्वीकृत प्लॉट ही खरीदें। मानचित्र स्वीकृत कराए बिना किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न करें। अन्यथा वीडीए की ओर से कार्रवाई की जाएगी।

जिले में आठ केंद्रों पर होगी परीक्षा, तैयारी पूरी

वाराणसी। परीक्षा केंद्रों की निगरानी वॉयस रिकार्डरयुक्त सीसीटीवी कैमरों से होगी। परीक्षा केंद्रों पर नजर रखने के लिए ऑब्जर्वर की तैनाती की गई है। परीक्षा में 6026 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिला समन्वयक सीबीएसई पीएल जैसी ने बताया कि जिले में सीबीएसई से संबद्ध 34 माध्यमिक विद्यालय है।10वीं में 3504 और 12वीं में 2522 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल, एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) घड़ी समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने पर रोक रहेगी। परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर चेकिंग के बाद परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में एंट्री मिलेगी।

हाईवे के किनारे खड़ी बस के पीछे बोलेरो टकराई, 10 श्रद्धालु घायल

रोहनिया। अखरी में शुक्रवार की शाम नेशनल हाईवे के किनारे खड़ी बस के पीछे तेज रफ्तार बोलेरो आकर टकरा गई। हादसे में बोलेरो सवार 10 श्रद्धालु घायल हो गए। सूचना पाकर पुलिस ने सभी को अस्पताल भिजवाया। घायलों में एक श्रद्धालु की हालत गंभीर बताई गई है। हादसे की वजह बोलेरो चालक को झपकी आना बताया गया है। बिहार के वैशाली जिले के प्योरपुर गांव से 10 लोग बोलेरो से प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के लिए गए थे। वापसी के दौरान अखरी चौराहे के समीप खड़ी बस के पीछे बोलेरो जा टकराई। बोलेरो सवार मनीष सिंह न बताया कि हादसे में वह और चालक सोनेलाल दास उर्फ सोनू ,नागेंद्र दास , पिंकी देवी, गिरजा देवी, हरिहर दास, जानकी, गुड़िया मनीष कुमार व रीमा देवी घायल हो गई। घायलों में नागेंद्र दास की स्थिति गंभीर बताई गई है।

नगर निगम ने 29 बीघे जमीन पर लगाया बोर्ड

वाराणसी। नगर निगम ने शुक्रवार को 29 बीघे सरकारी जमीन पर अपना बोर्ड लगाया। डोमरी क्षेत्र में नगर निगम की 10 बिस्वा सरकारी भूमि पर कब्जा किया जा रहा था। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के निर्देश पर सहायक नगर आयुक्त अनिल यादव को तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने कब्जे को ध्वस्त कराकर पुनः कब्जे में लिया। साथ ही उक्त भूमि पर नगर निगम का बोर्ड लगवाया। सहायक नगर आयुक्त ने बताया कि अतिक्रमण करने वाले अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं दूसरी तरफ सरायमोहाना में 19 बीघा सरकारी भूमि चिह्नित कर नगर निगम का बोर्ड लगाने की कार्रवाई शुरू करा दी गई। इसकी कीमत करीब 75 करोड़ रुपये है।

अस्सी घाट पर पार्किंग का काम जल्द होगा शुरू

वाराणसी। अस्सी घाट पर 15 करोड़ की लागत से 43 वाहनों की पार्किंग का काम जल्द शुरू होगा। शुक्रवार को नगर निगम में हुई बैठक में मेयर अशोक कुमार तिवारी ने नगर आयुक्त अक्षत वर्मा को निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शहर में वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां पर पार्किंग की सुविधा दी जाएगी। इससे अस्सी घाट की पार्किंग में चार गुने की वृद्धि होगी। मल्टीलेवल पार्किंग से यहां आने वालों के लिए बेहतर होगा। बैठक में मुख्य अभियंता को टेंडर प्रक्रिया अपनाकर काम शुरू कराने के निर्देश दिए। कहा गया कि इस काम को जल्द से जल्द शुरू कराएं। मुख्यमंत्री नगरोदय योजना के तहत शासन से इसकी मंजूरी दी गई थी। इसे बनाने की जिम्मेदारी सीएंडडीएस को दी गई है। इसके बनने से काशी में लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी।

जिला अस्पताल में पांच साल से वेंटिलेटर का हो रहा 'तबादला'

वाराणसी। कभी आइसोलेशन वार्ड तो कभी ऑपरेशन थियेटर में रखा जा रहा है। अब उसे सेफ हाउस में शिफ्ट कर दिया गया है। अभी तक अस्पताल में वेंटिलेटर चलाने के लिए ऑपरेटर टेक्नीशियन की तैनाती नहीं हुई। जिला अस्पताल में एक साल से कोई भी जनप्रतिनिधि ा और वीआईपी इलाज कराने नहीं पहुंचा। इसके बावजूद ओटी के बगल में बने सेफ हाऊस में हर सुविधा उपलब्ध है। इसमें आम लोगों के लिए आए दो वेंटिलेटर भी रखे गए हैं। जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में रोज दो गंभीर मरीज आते हैं। उन्हें वेंटिलेटर की सुविधा देने के बजाय बीएचयू रेफर कर दिया जाता है। शासन की ओर से कोरोना की पहली लहर के दौरान अप्रैल

2020 में जिला अस्पताल में तीन वेंटिलेटर भेजे गए थे। इसमें से दो वेंटिलेटर पोर्टबल थे। तीनों वेंटिलेटर की करीब 24 लाख है। अस्पताल में तब से वेंटिलेटर इधर से उधर हो रहे हैं। 2023 तक वेंटिलेटर आइसोलेशन वार्ड में पड़े रहे।

एक साल पहले वीआईपी ट्रीटमेंट के नाम पर सेफ हाउस में रख दिया गया है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि अस्पताल में वीआईपी मरीज के आने पर ऑपरेटर की मांग सीएमओ कार्यालय से की जाएगी। गौरतलब हो कि वेंटिलेटर आने से पहले जिला अस्पताल के डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की ट्रेनिंग दी गई थी। इसके बावजूद आज तक वेंटिलेटर चलाने की कोशिश किसी ने नहीं की। अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों को ऑपरेटर का इंतजार है। दूसरी ओर अस्पताल परिसर में बने पीड्रियाटिक इन्सेंटिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में वेंटिलेटर सुविधा है।

वेलेंटाइन-डे पर हिंदूवादियों का लठ्ठ पूजन,बोले-जो भी प्रेमी जोड़े मिलेंगे

आगरा (यूएनएस)। वेलेंटाइन डे पर आगरा में अखिल भारत हिंदू महासभा ने सेंट वेलेंटाइन का पुतला फूंका। इसके बाद लठ्ध्ठ पूजन किया। उन्होंने पार्कों में जाकर प्रेमी–प्रेमिकाओं को सबक सिखाने और उनकी शादी कराने की बात भी कही। इस दौरान पुलिस भी मौजूद रही। हिंदू महासभा के कार्यकर्ता सुबह 12 बजे सुभाष पार्क पर एकत्रित हुए। यहां पर उन्होंने पहले लठ्ध्ठ में तेल लगाकर पूजन किया। इसके बाद वेलेंटाइन का पुतला फूंका। इसके बाद सभी लोग पार्क में पहुंचे। पार्क में चक्कर लगाया। महासभा के जिलाध्यक्ष सौरभी शर्मा का कहना था कि वेलेंटाइन डे के नाम पर सनातन संस्कृति के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। शहर के जितने भी बडेध् पार्क हैं वहां पर उनकी टीम जा रही है। अगर वहां पर कोई भी प्रेमी जोड़ा वेलेंटाइन के नाम पर अश्लीलता या सनातन संस्कृति के साथ खिलवाड़ करता नजर आएगा तो उन्हें सबक सिखाया जाएगा। अगर कोई प्रेमी युगल वेलेंटाइन डे मनाता हुआ मिलता है तो उनके माता–पिता को बुलाकर उनकी शादी कराई जाएगी। सुभाष पार्क के बाद हिंदूवादी लठ्ठ लेकर पालीवाल पार्क पहुंचे। यहां पर बड़ी संख्या में प्रेमी जोड़े आते हैं। हिंदूवादियों के पहुंचने की सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने हिंदूवादियों को रोका।

शोह्दे से परेशान युवती ने किया सुसाइड,फंदे से लटका मिला था शव

आगरा (यूएनएस)। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में सीटी स्कैन टेक्निकल का कोर्स कर रही कौशांबी की रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा ने शोहदे से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। उसका शव दो दिन पहले कमरे में लटका मिला। पोस्टमार्टम के बाद पिता बेटी का शव लेकर कौशांबी चले गए। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। मृतका के पिता का कहना है कि बेटी लोहामंडी स्थित किराए के मकान में रहती थी। वो यहां से एसएन मेडिकल कॉलेज में सीटी स्कैन टेक्निकल का कोर्स कर रही थी। अक्सर वो फोन पर बताती थी कि एक युवक काफी समय से परेशान कर रहा है। आते–जाते कमेंट करता है। फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी भी दे रहा है। इससे वह तनाव में आ गई। बदनामी के डर की वजह से उन्होंने कहीं कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई। युवक से परेशान होकर ही दो दिन पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के पास युवक का मोबाइल नंबर है। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्रयास किए जा रहे हैं जल्द ही गिरफ्तारी होगी।

अवैध चकरोड निकालकर 70 साल पुराने तीन पेड़ काटे

गोण्डा (यूएनएस)। जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक ग्राम प्रधान पर अवैध तरीके से किसान के खेत में चकरोड निकालकर पुराने पेड़ कटवाने का आरोप लगा है। विशंभरपुर के ग्राम प्रधान सत्यप्रकाश तिवारी ने पीड़ित प्रमोद कुमार के खेत में जबरन घुसकर 70 वर्ष पुराने बाबुल, सिरसा और फरेंद के पेड़ों को कटवा दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें मजदूरों द्वारा पेड़ों को काटा जा रहा है। पीड़ित के मना करने पर ग्राम प्रधान ने उसे जान से मारने की धमकी दी और गाली–गलौज की। प्रमोद कुमार के अनुसार, उनके गाटा संख्या 1008 में बाग दर्ज है और राजस्व टीम की पैमाइश में भी उनके खेत में कोई चकमार्ग नहीं पाया गया है। पीड़ित ने 7 फरवरी को जिलाधिकारी से शिकायत की थी। अब मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन को भी शिकायती पत्र सौंपा गया है। मामले की जांच के लिए एसडीएम सदर अवनीश त्रिपाठी और सीओ सदर शिल्पा वर्मा को निर्देश दिए गए हैं। पीड़ित का कहना है कि ग्राम प्रधान दबंग प्रवृत्ति का है और लगातार उत्पीड़न कर रहा है। पेड़ों के कटने से पीड़ित को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं जब पूरे मामले को लेकर के धानेपुर थाना अध्यक्ष राकेश राय से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी निकाल कर आएगा कार्रवाई की जाएगी।

बाइक पेड़ से टकराई, मौत,युवक बोरिंग का करता था काम

गोण्डा (यूएनएस)। नवाबगंज थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। कोल्हमपुर इमाम गांव निवासी श्यामू यादव, जो बोरिंग और नल फिटिंग का काम करते थे, शुक्रवार सुबह लगभग 10.30 बजे अपनी बाइक से टिकरी की ओर काम पर जा रहे थे। भुतहवा मजरा में कटरा किसूनदासपुर मार्ग पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े सूखे आम के पेड़ से टकरा गई। गांव के पूर्व प्रधान टिंकू सिंह की मदद से घायल श्यामू को तुरंत नवाबगंज सीएचसी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।श्यामू के परिवार ने बताया कि पांच साल पहले उनका विवाह चौबेपुर गांव की कंचन से हुआ था। वह अपने परिवार में चार भाइयों में से दूसरे नंबर पर थे। उनके बड़े भाई रामू और छोटे भाई राजेश विवाहित हैं, जबकि सबसे छोटा भाई विजय अविवाहित है। थाना प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह के अनुसार, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गोंडा भेज दिया गया है। दुर्घटना की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर है। मृतक की पत्नी और मां का रो–रोकर बुरा हाल है। परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य की अकाल मृत्यु से पूरा परिवार सदमे में है।

कुंभ से लौटे श्र)ालुओं का अयोध्या में जनसैलाब

गोण्डा (यूएनएस)। प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ अयोध्या में रामलला के दर्शन और सरयू स्नान के लिए उमड़ रही है। कटरा शिवदयाल तिराहे से लेकर पुराने सरयू पुल तक सड़क के दोनों तरफ श्रद्धालुओं का अथाह जनसमूह देखा जा रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अयोध्या की तरफ जाने वाले सभी वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। लोलपुर ओवर ब्रिज और पुराने सरयू पुल तक जगह–जगह बैरिकेडिंग की गई है। दुर्गा गंज माझा में तीन स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जहां से श्रद्धालुओं को पैदल अयोध्या भेजा जा रहा है। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए वाहनों को नवाबगंज–करनैलगंज होते हुए लखनऊ की तरफ भेजा जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह के अनुसार, श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। माघी पूर्णिमा से शुरू हुआ श्रद्धालुओं का आगमन महाशिवरात्रि तक जारी रहने की संभावना है। प्रशासन ने पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए हैं। नवाबगंज नगरपालिका पानी की आपूर्ति और रात्रि में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है। हालांकि, पुराने सरयू पुल के पास उचित ठहरने की व्यवस्था न होने के कारण श्रद्धालुओं को रात सड़कों पर या अपने वाहनों में बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है। खान–पान और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी से भी श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अयोध्या-प्रयागराज मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़,रूट डायवर्जन कर यातायात किया सुचारू

अमेठी (यूएनएस)। अयोध्या और प्रयागराज के बीच श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए अमेठी पुलिस ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रयागराज में गंगा स्नान और अयोध्या में राम मंदिर दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की भारी संख्या के कारण पीपरपुर, रामगंज और भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र में जाम की स्थिति बन गई थी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने रूट डायवर्जन का सहारा लिया है। प्रयागराज से आने वाली गाड़ियों को दुर्गापुर होते हुए लंभुआ की ओर मोड़ा जा रहा है, जहां से श्रद्धालु सुल्तानपुर के रास्ते अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसी तरह, वरिसगंज–थौरी मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं को हैदरगढ़ होते हुए अयोध्या भेजा जा रहा है। अयोध्या–प्रयागराज बॉर्डर पर स्थित सभी थानों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस की सक्रियता और सतर्कता के कारण वर्तमान में जिले के किसी भी राजमार्ग पर जाम की स्थिति नहीं है।

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहा था बदमाश, पैर में लगी गोली, दर्जनभर वारदातों को दिया है अंजाम

वाराणसी। सारनाथ थाना क्षेत्र में शनिवार की भोर पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। रूकने का इशारा करने पर बदमाश ने पुलिस पर ही फायरिंग कर दी थी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी तो वह मौके पर ही गिर गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, एसीपी सारनाथ डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि बदमाश विशाल भारतीय के खिलाफ 12 से अधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। यह कार्रवाई ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत की गई है। बिना नंबर प्लेट की बाइक से आ रहे बदमाश को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उधर से फायरिंग होने लगी थी। घायल बदमाश विशाल भारती की मूल रूप से आजमगढ़ का निवासी बताया जा रहा है। फिलहाल में वह बेनीपुर के आसपास छिपा हुआ था। कई संगीन अपराध में वह वांछित था। शनिवार को पुलिस ने सारनाथ के सिंहपुर में बदमाश विशाल को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया।

आज की रात होगी अंतिम फेसबुक पर लिख युवक ने खाया विषाक्त पदार्थ

बहराइच (यूएनएस)। बहराइच जिले के ग्राम पंचायत गोबरहा निवासी एक युवक ने पत्नी से विवाद के बाद जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसे इलाज के लिए परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, जहाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रानीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पंचायत गोबरहा के मजरा हरिद्वारपुरवा गांव निवासी प्रवीण पाठक (30) पुत्र प्रेमनाथ पाठक ने लव मैरिज विवाह किया था। वह शहर में किराए के मकान में पत्नी के साथ रहते थे। गुरुवार रात में प्रवीण पाठक घर पर थे। बड़े भाई तरुण पाठक ने बताया कि प्रवीण ने फेसबुक पर आज का दिन अंतिम होने की बात पोस्ट की और मां के हाथ का खाना खाया। इसके बाद उसने रात में जहरीला पदार्थ खा लिया। रात ढाई बजे हालत गंभीर होने पर उससे परिवार के लोगों को इसकी जानकारी दी। जिस पर युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन सुबह पांच से छह बजे के मध्य युवक की मौत हो गई। जिस पर शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत से मां का रो रो कर बुरा हाल है। मालूम हो कि मृतक का सात वर्ष पहले विवाह था। ससुर पुलिस विभाग में दीवान थे।

परशुराम सेना ने लापता नाबालिग लड़की को बरामद करने की पुलिस से की मांग

बहराइच (यूएनएस)। परशुराम सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को प्रतापगढ़ में लापता नाबालिग लड़की बरामद करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को दिया। साथ ही प्रतापगढ़ में सवर्ण आर्मी के पदाधिकारियों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की आवाज उठाई। परशुराम सेवा संस्थान के सेना प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज त्रिपाठी की अगुवाई में पदाधिकारी शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। सभी ने प्रतापगढ़ की घटना को लेकर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रतापगढ़ जिले के महेशगंज थाना क्षेत्र निवासी 14 वर्ष की नाबालिग का अपहरण कर लिया गया है। दो माह बाद भी पुलिस उसे बरामद नहीं कर पाई है। इसको लेकर प्रतापगढ़ सवर्ण आर्मी के सह संस्थापक ठाकुर शिवम सिंह के साथ लोग शांतिपूर्ण धरना दे रहे थे। लेकिन पुलिस ने ठाकुर शिवम सिंह समेत 27 नामजद और 60 अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज किया। इसे खत्म करने की आवाज उठाई। इस दौरान युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष महेंद्र अवस्थी, जिला प्रभारी दिलीप मिश्रा, चंद्रभूषण द्विवेदी, कुछ शुक्ला मटेरा, स्नेह शुक्ला, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोज अवस्थी, सिद्धनाथ अवस्थी, नीरज अवस्थी, मोहित मिश्रा, विकास पांडे, विश्वरूप मिश्रा, अरुण तिवारी, इंद्रेश मिश्रा, विनोद तिवारी, दिनेश पांडे, प्रमोद शुक्ला, मयंक तिवारी आदि मौजूद रहे।

रफ्तार का कहर, एक बुजुर्ग की मौत, दो घायल

बहराइच (यूएनएस)। जिले में अलग अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसे में एक वृद्ध की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं पिकअप की टक्कर से सिपाही के कार को भी नुकसान हुआ है। श्रावस्ती जिले के बैरागीपुरवा गांव निवासी बच्छराज (55) को गुरुवार रात में स्वराजपुर गांव के निकट अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। वृद्ध को संयुक्त जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर किया गया। मेडिकल कॉलेज में देर रात को इलाज के दौरान वृद्ध ग्रामीण की मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के गोंडा बहराइच मार्ग पर पिकअप वाहन संख्या यूपी 43 बीटी 3058 का अचानक पिछला पहिया फट गया। जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पोल से जा टकराई। टक्कर में पास में खड़ी सिपाही राम प्रताप की कार यूपी 51 वाई 9159 भी क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद वाहन कुछ दूर जाकर पलट गया। हादसे में ननकू यादव (30) और अंतराम यादव को चोट आई हैं। जबकि चालक प्रदुम्न कुमार दुबे बाल बाल बच गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है।

सैबर तकनीक से साफ हो रहे दुर्गाकुंड का मेयर और नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

वाराणसी। आयरिश वैज्ञानिक की सैबर तकनीक से साफ हो रहे दुर्गाकुंड का मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि इसी तर्ज पर बाकी कुंडों की सफाई कराएं। मेयर ने बताया कि इसमें मछलियों की संख्या अधिक है।

जमुना जल मोहे भरन ना दे।

प्रयागराज। शनिवार शाम दिल्ली पब्लिक स्कूल में अनहद–नाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पद्म श्री से सम्मानित विदुषी मालिनी अवस्थी और पद्म भूषण से सम्मानित पंडित साजन मिश्रा के गायन से महाकुंभ मेला क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। एक बार के लिए ऐसा लगा मानो धरती पर देवलोक का आगमन हो गया हो। कार्यक्रम के प्रथम दिवस प्रस्तुति के लिए पधारीं विदुषी मालिनी जी ने होरी, चौती से अद्भुत समागम बांधा। दृश्य कुछ ऐसा कि तालियों की गड़गड़ाहट ने मेला क्षेत्र के आस–पास के लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर दिया। स्वागत डीपीएस की निदेशक सोनू सिंह ने किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुजाता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महाकुंभ के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

1 गाड़ी सं. 08867/08868 गोंदिया-टूण्डला जं.-गोंदिया महाकुंभ विशेष रेलगाड़ी

08867 गोंदिया-टूण्डला जं.		स्टेशन	08868 टूण्डला जं.-गोंदिया	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:20	गोंदिया	15:20	--
00:03	00:05	मानिकपुर जं.	23:10	23:12
02:05	02:10	प्रयागराज जं.	18:50	18:55
03:28	03:30	फतेहपुर	16:28	16:30
05:15	05:20	गोविंदपुरी	15:00	15:05
06:38	06:40	इटावा	12:33	12:35
09:30	--	टूण्डला जं.	--	11:30

गाड़ी सं. 08867 गोंदिया से दिनांक 18.02.2025 (मंगलवार) एवं गाड़ी सं. 08868 टूण्डला जं. से दिनांक 19.02.2025 (बुधवार) **गाड़ी संरचनाः** सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-06, वाता. तृतीय श्रेणी-05, वाता. तृतीय इकॉनोमी श्रेणी-01, वाता. द्वितीय श्रेणी-02, वाता. प्रथम सह द्वितीय श्रेणी-01

2 गाड़ी सं. 08863/08864 इतवारी जं.-टूण्डला जं.-इतवारी जं. महाकुंभ विशेष रेलगाड़ी

08863 इतवारी जं.-टूण्डला जं.		स्टेशन	08864 टूण्डला जं.-इतवारी जं.	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:15	इतवारी जं.	11:00	--
00:23	00:25	मानिकपुर जं.	22:28	22:30
02:05	02:10	प्रयागराज जं.	18:50	18:55
03:28	03:30	फतेहपुर	16:28	16:30
05:15	05:20	गोविंदपुरी	15:00	15:05
06:38	06:40	इटावा	12:33	12:35
09:30	--	टूण्डला जं.	--	11:30

गाड़ी सं. 08863 इतवारी जं. से दिनांक 20.02.2025 (गुरूवार) एवं गाड़ी सं. 08864 टूण्डला जं. से दिनांक 21.02.2025 (शुक्रवार) **गाड़ी संरचनाः** सामान्य श्रेणी-03, स्लीपर श्रेणी-10, वाता. तृतीय श्रेणी-02, वाता. द्वितीय श्रेणी-01

3 गाड़ी सं. 08769/08770 दुर्ग जं.-टूण्डला जं.-दुर्ग जं. महाकुंभ विशेष रेलगाड़ी

08769 दुर्ग जं.-टूण्डला जं.		स्टेशन	08770 टूण्डला जं.-दुर्ग जं.	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	10:40	दुर्ग जं.	13:10	--
00:03	00:05	मानिकपुर जं.	23:10	23:12
02:05	02:10	प्रयागराज जं.	18:50	18:55
03:28	03:30	फतेहपुर	16:28	16:30
05:15	05:20	गोविंदपुरी	15:00	15:05
06:38	06:40	इटावा	12:33	12:35
09:30	--	टूण्डला जं.	--	11:30

गाड़ी सं. 08769 दुर्ग जं. से दिनांक 21.02.2025 (शुक्रवार) एवं गाड़ी सं. 08770 टूण्डला जं. से दिनांक 22.02.2025 (शनिवार) **गाड़ी संरचनाः** सामान्य श्रेणी-01, स्लीपर श्रेणी-02, वाता. तृतीय श्रेणी-09, वाता. द्वितीय श्रेणी-02

4 गाड़ी सं. 08869/08870 गोंदिया-टूण्डला जं.-गोंदिया महाकुंभ विशेष रेलगाड़ी

08869 गोंदिया-टूण्डला जं.		स्टेशन	08870 टूण्डला जं.-गोंदिया	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:20	गोंदिया	15:20	--
00:23	00:25	मानिकपुर जं.	22:43	22:45
02:05	02:10	प्रयागराज जं.	18:50	18:55
03:28	03:30	फतेहपुर	16:28	16:30
05:15	05:20	गोविंदपुरी	15:00	15:05
06:38	06:40	इटावा	12:33	12:35
09:30	--	टूण्डला जं.	--	11:30

गाड़ी सं. 08869 गोंदिया जं. से दिनांक 23.02.2025 (रविवार) एवं गाड़ी सं. 08870 टूण्डला जं. से दिनांक 24.02.2025 (सोमवार) **गाड़ी संरचनाः** सामान्य चेयर कार-13, वाता. चेयर कार-03

5 गाड़ी सं. 06223/06224 शिवमोग्गा टाउन-बनारस महाकुंभ विशेष रेलगाड़ी

06223 शिवमोग्गा टाउन-बनारस		स्टेशन	06224 बनारस-शिवमोग्गा टाउन	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	16:40	शिवमोग्गा टाउन	06:45	--
09:20	09:22	मानिकपुर जं.	09:00	09:02
11:10	11:15	प्रयागराज छिवकी	05:40	05:45
12:45	12:47	मिर्जापुर	03:40	03:42
15:00	--	बनारस	--	01:30

गाड़ी सं. 06223 शिवमोग्गा टाउन से दिनांक 22.02.2025 (शनिवार) एवं गाड़ी सं. 06224 बनारस से दिनांक 25.02.2025 (मंगलवार) **गाड़ी संरचनाः** वाता. तृतीय श्रेणी-11, स्लीपर श्रेणी-04, सामान्य श्रेणी-02

रेलगाड़ियों की रीशेड्युलिंगः उपरोक्त के अतिरिक्त गाड़ी संख्या 03220 प्रयागराज-पटना एवं 03690 प्रयागराज-गया महाकुंभ विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निर्धारित समय के स्थान पर प्रयागराज स्टेशन से निम्न विवरण के अनुसार 02 घंटे विलम्ब से संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया हैः-

गाड़ी सं.	स्टेशन से	स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
03220	प्रयागराज	पटना	16,17,18,22,24,25,27 एवं 28.02.25
03690	प्रयागराज	गया	16,17,18,22,24,25,27 एवं 28.02.25

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 321/25 FA

आध्यात्मिक ज्ञान नशे से मुक्ति के साथ संबल भी करेगा प्रदान

महाकुंभ नगर। ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा सेक्टर 7 में लगे स्वर्णिम भारत ज्ञान कुंभ मंडप में सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य वक्ता रक्षा लेखा महानियंत्रक देविका रघुवंशी ने कहा कि आपके कार्यक्रम के जरिए लोग नशा मुक्त बनने का संकल्प लेने के साथ–साथ सशक्त भी बनेंगे और उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान निरोगी बनाने के साथ–साथ संबल भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम में उपस्थित प्रधान नियंत्रक संदीप सरकार ने कहा की नशा सिर्फ व्यक्ति का स्वास्थ्य ही नहीं बिगाड़ता बल्कि उनके परिवार के साथ–साथ समाज को भी प्रभावित करता है इसीलिए ब्रह्माकुमारी द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के जरिये देश के कोने–कोने में जाकर लोगों को व्यसन मुक्त व तनाव मुक्त बनाने का प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है । नशा मुक्ति संदेश देने के लिए हमें आपका सहयोग तो मिलता ही है साथ ही एनसीसी कैडेट को संबोधित करते हुए आपने कहा कि हमें नशे को समाज तक पहुंचने से रोकना है। ज्ञान कुंभ मंडप की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी मनोरमा दीदी ने सभी को आशीर्वचन देते हुए कहा की राजयोग हमें परमात्मा से संबंध जोड़ना सि खाता है जिससे हमारा तन और मन दोनों स्वस्थ और सशक्त बनता है. .. उन्होंने कहा की वर्तमान समय हर मनुष्य आंतरिक रूप से कमजोर होता जा रहा है इसीलिए अपने अंदर की बुराइयों पर सहजता से जीत नहीं पाता है लेकिन जब व्यक्ति आध्यात्मिकता से जुड़ता है, परमात्मा को पहचान राजयोग का अभ्यास करता है तो उसके अंदर की सुषुप्त शक्तियां जागृत होने लगती हैं और वह अपने अंदर की सभी बुराइयों पर धीरे–धीरे विजय पाने लगता है, आज के समय में हर वर्ग के व्यक्ति को राजयोग को अपनाने की जरूरत है। ब्रह्माकुमारी संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू से आए मेडिकल प्रभाग के कार्यकारी सदस्य बीके डॉक्टर बनारसी लाल शाह ने भी नशा मुक्ति अभियान के जरिए देशभर में लोगों को व्यसन मुक्त बनाने की दिशा में किस तरह ब्रह्माकुमारीज लगातार प्रयासरत है उसके बारे में संपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में नशा मुक्ति को लेकर संकल्प किया गया। गौरतलब है कि इस महाकुंभ मेले में ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत 4 प्रचार वाहन के जरिए कुंभ के सभी सेक्टर में व अनेक गांवों में जाकर लोगों को नशे का सेवन न करने का संकल्प लेने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति को लेकर संकल्प किया गया। महाकुंभ मेले में ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत 4 प्रचार वाहन के जरिए कुंभ के सभी सेक्टर में व अनेक गांवों में जाकर लोगों को नशे का सेवन न करने का संकल्प लेने की अपील की गई। सम्मेलन से पूर्व ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग और सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता रैली भी निकली गई जिसमें कई विशिष्ट लोगों व ब्रह्माकुमारी के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

सस्टेनेबल फैब्रिक्स का चलन समाज और पर्यावरण के लिए अच्छा।

प्रयागराज। हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज के फैशन डिजाइन विभाग द्वारा 8 फरवरी से चल रहे श्उद्यमिता एवं स्थिरता व्यापार विकासश सम्मेलन अंतिम दिन छात्राओं के लिए बहुत अहम रहा। शनिवार को इविवि की परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान, गृह विज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो. नीतू मिश्रा ने कालेज में श्रेहाना इनक्यूबेशन सेंटरश का उद्घाटन किया। इस मौके पर कहा कि पर्यावरण और सामाजिक दृष्टिकोण को देखते हुए फैशन उद्योग में सस्टेनेबल फैब्रिक्स का उपयोग को बढ़ावा देना होगा यह सुरक्षित और टिकाऊ होने के साथ इको फ्रेंडली भी है। मोतीलाल नेहरु इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च और बिजनस एडमिनिस्ट्रेशन की एसो. प्रो. डॉ. शेफाली ने कहा कि स्टार्ट–अप की सफलता के लिए सक्षम और समर्पित टीम के साथ एक ऐसा उद्यमिता लीडर हो जो अपने कर्मचारियों का सही मार्गदर्शन और प्रेरणा दे सके। अंतिम वक्ता बिजनेसमैन सुधीर धनयोग ने तकनीक, प्रशिक्षण, शिक्षा और सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी और सुदृढ़ बनाने की बात पर जोर दिया। संचालन प्रो. नसरीन बेगम ने तथा धन्यवाद ज्ञापित डॉ. अमिता अग्रवाल ने किया। सम्मेलन में प्रिंसिपल प्रो. नसेहा उस्मानी, डॉ. नसरीन बेगम, डॉ. सिद्दीका जाबिर, डॉ. शबाना अजीज, डॉ. शहनाज काजमी, डॉ. शमा रानी, डॉ. मोनिशा गुप्ता, मिस हर्षिता, मिसेज नबिया तथा बी. वोक. , बी. ए. और बी. कॉम. की छात्राएं उपस्थित रहीं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने इविवि के छात्रों को दिया प्रतिष्ठित प्लेसमेंट

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन संस्थान के छात्रों ने हाल ही में संपन्न कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में शानदार सफलता हासिल की है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में चार छात्रों को वार्षिक घ्7.2 लाख के आकर्षक पैकेज पर नौकरी का अवसर प्राप्त हुआ है। चयनितो में मन्या राजपूत, आदित्य सिंह, अंकित राज और मुकुल चौधरी शामिल हैं। कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन प्लेसमेंट अधिकारी डाॅ. एकता वर्मा के नेतृत्व में किया गया। प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. एकता वर्मा ने बताया कि चयनित छात्रों को देश के विभिन्न हिस्सों में स्तथानांतरित किया जाएगा। वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. ए.के. मालवीय, समन्वयक प्रो. जी.बी.एस. जौहरी, और प्रो. आर. एस. सिंह ने भी चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

श्रीराम कथा प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन।

प्रयागराज। घ्महाकुंभ मेले में सेक्टर एक स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी

महाकुंभ स्वदेशी शिविर में ष्राम कथाष् प्रदर्शनी का अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर भव्य उद्घाटन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि व वक्ता प्रोफेसर अश्विनी महाराज (प्रसिद्ध अर्थशास्त्री) राष्ट्रीय सह संयोजक स्वदेशी जागरण मंच तथा विशिष्ट अतिथियों में पद्मश्री डॉ.श्याम बिहारी अग्रवाल, राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के मा.सदस्य रवीन्द्र कुशवाहा , खानम आर्ट गैलरी की निदेशक डॉ.जाहेदा खानम की गरिमामई उपस्थित रही। मंच पर अतिथियों का माल्यार्पण द्वारा स्वागत सत्कार हुआ। कार्यक्रम संयोजक डॉ शारदा सिंह, प्रांत संयोजक सतेंद्र कुमार सिंह ,सहसंयोजक सुप्रिया यादव,प्रांत पूर्व कालिक विवेक कुमार,राकेश कुमार सिंह (बंटी), मूर्तिकार जोनू प्रजापति ने मूर्तिकला का डेमोंसट्रेशन दिया। भगवान राम के जीवन आदर्शों पर आधारित चित्रकला प्रदर्शनी लगाने वाले कलाकारों में साधना गोस्वामी,ऋतिक जायसवाल, अन्नू चौहान, शिवानी कुमारी, विभा पटेल, रोशनी सिंह चौहान, हर्षिता, अलंकृता वैश्य, संध्या सोनी इत्यादि सभी कलाकारों को पद्मश्री डॉ श्याम बिहारी अग्रवाल, अकादमी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, निदेशक डॉ जाहेदा खानम को प्रमाणपत्र प्रदानकर सम्मानित किया गया।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की संचालित योजनाओं का युवा उठाये लाभ

प्रयागराज। उ0 प्र0 कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक ने बताया है कि व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमशीलता विभाग के अन्तर्गत उ0प्र0 कौशल विकास मिशन में 14 से 35 वर्ष आयु के जो आर्थिक या किसी अन्य कारणवश कक्षा 08 या हाईस्कूल के आगे की शिक्षा ग्रहण नहीं कर सके है उनको राज्य व केन्द्र सरकार एवं निजी प्रशिक्षण प्रदाताओं द्वारा स्थापित संस्थाओं के माध्यम से 39 सेक्टरों में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाती है जिसमें सर्वाधिक सेक्टर इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक,ऑटोमोटिव रिपेयर, फैब्रीकेशन, टर्नर, आईसीटी, गारमेन्ट मेकिंग,फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटीकल्चर, बैंकिंग एकाउन्टिंग, अपैरल एण्ड होम फर्नीसिंग, एग्रीकल्चर, हेल्थकेयर ट्रैवल्स एण्ड टूरिज्म, मेसन एवं सहायक मेसन के व्यवसायों में युवाओं को अपनी रूचि के अनुसार कोर्स के चयन की स्वतंत्रता है तथा प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को 02 सेट यूनीफार्म व पाठ्य सामग्री भी निःशुल्क वितरण किया जाता है। प्रशिक्षण के उपरान्त प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार मेले का आयोजन करके वेतनपरक रोजगार अथवा स्वरोजगार में नियोजित करने का प्रयास किया जाता है। इसके अतिरिक्त दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित है, इसके अन्तर्गत 18 से 35 वर्ष के बीपीएल कार्ड धारक ग्रामीण युवक/युवतियां जो 08वीं के बाद पढ़ाई छोड़ देते है, उनको अल्पकालीन आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत संचालित योजनाओं का लाभ लेने हेतु https://www-upsdm.gov.in पर तथा दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना हेतु https://www.ddugky.co.in व https://www. kaushakpanjee.co.in पर आवेदन र योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई उ0प्र0 कौशल विकास मिशन कक्ष संख्या–70 द्वितीय तल विकास भवन में सम्पर्क कर सकते है।

डा.भीमराव अंबेडकर ने ही संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार दिलाया

प्रयागराज। संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर ने ही संविधान में पुरुषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किया है जिससे महिलाएं भी डी.एम., एस.पी., इंजीनियर, डॉक्टर, मास्टर बनने का अवसर पा रही है अन्यथा महिलाओं को शिक्षित होने का अधिकार नहीं था। महिलाओं के शिक्षित होने पर दो घरों में ज्ञान का दीप प्रकाशित होता है क्योंकि शिक्षित व्यक्ति ही समाज में फैले अंधकार को दूर कर सकता है । उक्त बातें साधु सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बनकटा बुजुर्ग के वार्षिक उत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए त्रिभुवनदत्त ने कही। मालूम हो अंबेडकरनगर विधान सभा क्षेत्र आलापुर के विकास खंड जहांगीरगंज में स्थित श्री साधू सिंह उमा माध्यमिक विद्यालय बनकटा बुजुर्ग में शनिवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव/पूर्व सांसद/आलापुर विधायक त्रिभुवनदत्त रहे। मुख्य अतिथि विधायक त्रिभुवन दत्त ने कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया विद्यालय के प्रबंधक प्रकाश सिंह एवं प्रधानाचार्य कौशलेंद्र सिंह के नेतृत्व में अपने सहयोगी साथियों के साथ विधायक त्रिभुवनदत्त का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। वार्षिक उत्सव के अवसर पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। मुख्य अतिथि ने छात्र/छात्राओ के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रधानाचार्य कौशलेंद्र सिंह ने किया। उक्त अवसर पर विद्यालय के संरक्षक रणविजय सिंह, रमाशंकर मिश्र,सपा नेता मनोज जायसवाल,कृष्णकुमार पाण्डेय,राजेंद प्रसाद दाढ़ी, ओंकारनाथमिश्र,बीके सिंह , ओमकार नाथ सिंह, बच्चूलाल सोनकर,नायबे आलम,प्रमोद पाण्डेय,राजेश यादव,अनिल कुमार,देवमणि यादव,बाकेलाल गौतम,संजय गौतम,आनन्द विश्वकर्मा, अभिषेक सिंह,पवन तिवारी, पप्पू गौतम,रामप्रकाश सहित अध्यापक अध्यापिकाएं, छात्र/छात्राए एवं अभिभावक उपस्थित रहें।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062